2. विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि

अभ्यास प्रश्न (पाठ्यपुस्तक से)

प्र0 1. नीचे दिए गये चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए ।

(i) निम्नलिखित में से किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है?

(क) अफ्रीका

(ख) एशिया

(ग) दक्षिण अमेरिका

(घ) उत्तर अमेरिका

उत्तर: (i) (क) अफ्रीका

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा एक विरल जनसंख्या वाला छेत्र नहीं है ?

(क) अटाकामा

(ख) भूमध्यरेखीय प्रदेश

(ग) दक्षिण-पूर्वी एशिया

(घ) ध्रुवीय प्रदेश

उत्तर: (ii) (ख) दक्षिण-पूर्वी एशिया

(iii) निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रतिकर्ष कारक नहीं है?

(क) जलाभाव

(ख) बेरोजगारी

(ग) चिकित्सा/शैक्षणिक सुविधाएँ

(घ) महामारियाँ

उत्तर: (iii) (ग) चिकित्सा/शैक्षणिक सुविधाएँ ।

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा एक तथ्य सही नहीं है?

(क) विगत 500 वर्षों में मानव जनसंख्या 10 गुना से अधिक बढ़ी है।

(ख) विश्व जनसंख्या में प्रतिवर्ष 8 करोड़ लोग जुड़ जाते हैं।

(ग) 5 अरब से 6 अरब तक बढ़ने में जनसंख्या को 100 वर्ष लगे।
(घ) जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था में जनसंख्या वृद्धि उच्च होती है।
उत्तर: (iv) (घ) जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था में जनसंख्या वृद्धि उच्च होती है।

प्र0 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिएः

(i) जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले तीन भौगोलिक कारकों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर:जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले तीन भौगोलिक कारक निम्नलिखित हैं।

1. जल की उपलब्धता: पीने योग्य जल की पर्याप्त उपलब्धता वाले भूभागों पर मानव अपने बसने को प्राथमिकता प्रदान करता है।
2. भू-आकृति: समतल मैदानी भाग, पर्वतीय एवं पठारी क्षेत्रों की तुलना में मानवीय निवास के लिए अधिक उपयुक्त होते हैं।
3. जलवायु कम मौसमीय परिवर्तन वाली अनुकूल जलवायु दशाएँ मानवीय बसाव के लिए अधिक उपयुक्त होती हैं।

(ii) विश्व में उच्च जनसंख्या घनत्व वाले अनेक क्षेत्र हैं। ऐसा क्यों है ?

उत्तर: विश्व में उच्च जनसंख्या घनत्व वाले अनेक क्षेत्र मिलते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि भूपटल के जिन क्षेत्रों में उच्च घनत्व को आधार प्रदान करने वाले अनुकूल भौगोलिक, आर्थिक तथा सामाजिक - सांस्कृतिक कारक मिलते हैं वहाँ जनसंख्या का सघन जमाव हो जाता है।

(iii) जनसंख्या परिवर्तन के तीन घटक कौन-से हैं?

उत्तरः जनसंख्या परिवर्तन के तीन घटक - जन्मदर, मृत्युदर तथा प्रवास हैं। (क) जन्मदर को प्रति हजार स्त्रियों पर जन्मे जीवित बच्चों की गणना निम्नानुसार करके ज्ञात करते हैं:

$$\textbf{जन्मदर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में जीवित जन्मे बच्चों की संख्या}}{\text{उस क्षेत्र विशेष में वर्ष के मध्य में कुल जनसंख्या}} * \mathbf{1000}$$

(ख) किसी क्षेत्र विशेष में किसी वर्ष विशेष के दौरान प्रति हजार जनसंख्या पर मृतकों की संख्या को निम्नानुसार गणना करके ज्ञात करते हैं:

$$\textbf{मृत्युदर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में मृतकों की संख्या}}{\text{उस वर्ष के मध्य में उस क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या}} * 1000$$

(ग) प्रवास मनुष्य और संसाधनों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करने की दिशा में उठाया गया कदम है। इसके अंतर्गत लोग प्रतिकर्ष कारकों के कारण एक स्थान को छोड़ देते हैं तथा अपकर्ष काटकों के कारण दूसरे स्थान पर जाकर बस जाते हैं। इस तरह दोनों स्थानों की जनसंख्या में परिवर्तन होता है।

प्र0 3. अंतर स्पष्ट कीजिए

(i) जन्मदर और मृत्युदर

उत्तर: जन्मवर-इसे प्रति हजार स्त्रियों पर जन्मे जीवित बच्चों की संख्या की गणना द्वारा निम्न गणितीय सूत्र से करके ज्ञात करते हैं

$$\text{जन्म दर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में जीवित जन्मे बच्चों की संख्या}}{\text{उस क्षेत्र विशेष में उस वर्ष विशेष के मध्य में कुल जनसंख्या}} * 1000$$

जन्मदर किसी क्षेत्र विशेष की जनसंख्या वृद्धि के लिए उतरदायी तीन महत्त्वपूर्ण घटकों में से एक है।

मृत्युवर - किसी क्षेत्र विशेष में किसी वर्ष विशेष की समयावधि में प्रति हजार जनसंख्या पर मृतकों की संख्या की गणना निम्नानुसार करके ज्ञात करते हैं

$$\textbf{मृत्युदर} = \frac{\textbf{किसी वर्ष विशेष में मृतकों की संख्या}}{\textbf{उस वर्ष विशेष के मध्य में उस क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या}} * \mathbf{1000}$$

मृत्युदर किसी क्षेत्र विशेष की जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने वाले कारकों में से एक माना जाता है।

(ii) प्रवास के प्रतिकर्ष कारक और अपकर्ष कारक

उत्तरः (i) प्रवास के प्रतिकर्ष कारक-प्रतिकर्ष कारक लोगों को स्थान को छोड़ने के लिए बाध्य करते हैं, जहाँ वह लम्बे समय से रह रहे होते हैं।

(ii) बेरोजगारी, जीवनयापन की निम्न दशाएँ, राजनीतिक अस्थिरता व उपद्रव, प्रतिकूल जलवायु, प्राकृतिक आपदाएँ, महामारियाँ व जल की कमी, ऊबड़-खाबड़ उच्च भूमियाँ लोगों के प्रतिकर्ष का कारण बनती हैं। अपकर्ष कारक - रोजगार के बेहतर अवसर, जीवनयापन की अच्छी दशाएँ, शांति व सुरक्षा, अनुकूल जलवायु, जल की उपलब्धता, समतल उपजाऊ भूमि, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं का विकास आदि ऐसे कारक किसी स्थान पर आप्रवास का कारण बनते हैं। विश्व के ऐसे स्थान लोगों को स्थायी रूप से बसने के लिए आकर्षण का केन्द्र होते हैं।

प्र0 4. • निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए

(i) विश्व में जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए ।

उत्तर: विश्व जनसंख्या वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक विश्व जनसंख्या वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को सामान्यतः तीन वर्गों में रखा जाता है

I. भौगोलिक कारक:

जल की उपलब्धता जल की उपलब्धता मानवीय जीवन के विविध कार्यों के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। यही कारण है कि विश्व की नदी घाटियों में जहाँ जल की पर्याप्त उपलब्धता मिलती है, विश्व के सर्वाधिक सघन बसे क्षेत्र हैं।

भू-आकृति-विश्व के समतल मैदानी भाग सामान्यतया सघन बसे मिलते हैं क्योंकि ये क्षेत्र कृषि फसलों के उत्पादन, सड़क निर्माण तथा उद्योगों की स्थापना के लिए

अनुकूल दशायें प्रदान करते हैं जबकि पहाड़ी तथा पर्वतीय क्षेत्र इस दृष्टि से अधिक उपयुक्त नहीं होते हैं।

जलवायु अनुकूल जलवायु दशाएँ रखने वाले क्षेत्र जिनमें अधिक मौसमीय परिवर्तन नहीं होते हैं उनमें जनसंख्या सघन रूप से बसी मिलती है, जबकि अति ठण्डे, अति गर्म मरुस्थलीय क्षेत्रों, अधिक वर्षा एवं विषम जलवायु वाले क्षेत्रों में बहुत कम जनसंख्या बसी मिलती है।

मृदाएँ-कृषि की दृष्टि से उपजाऊ मिट्टियों वाले क्षेत्र अधिक जनसंख्या को आकर्षित करते हैं जबकि कम उपजाऊ मिट्टी रखने वाले क्षेत्रों में विरल जनसंख्या मिलती है। यथा भारत के मैदानों में काँप या जलोढ़ मृदा के कारण अधिक जन बसाव पाया जाता है जबकि राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों की मृदा वाले भाग कम जन बसाव वाले क्षेत्र हैं।

II. आर्थिक कारक:

खनिज: खनिज संसाधनों से सम्पन्न क्षेत्र खनन कार्य के साथ-साथ अनेक उद्योगों को भी अपनी ओर आकर्षित करते हैं जिसके कारण ऐसे क्षेत्रों में जनसंख्या का अधिक जमाव देखने को मिलता है।

नगरीकरण: अच्छी नागरिक सुविधाओं, रोजगार की अधिक दशाओं तथा नगरीय जीवन के आकर्षण से बड़ी संख्या में ग्रामीण जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में आकर बस जाती है।

औद्योगीकरण औद्योगिक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होते हैं जिसके कारण यह क्षेत्र सघन जनघनत्व वाले क्षेत्र हो जाते हैं।

कृषि जिन क्षेत्रों में कृषि सम्बन्धी दशाएँ अधिक उन्नत पायी जाती हैं वहाँ अधिक जनबसाव एवं घनत्व पाया जाता है जबकि कृषि के दृष्टिकोण से अनुपयुक्त क्षेत्रों में कम जनसंख्या मिलती है।

III. सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारक:

धार्मिक तथा सांस्कृतिक महत्त्व रखने वाले क्षेत्र अधिक सघन बसे होते हैं यथा (मक्का - मदीना, येरुशलम) जबकि सामाजिक व राजनीतिक अशान्ति रखने वाले क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व विरल हो जाता है; जैसे - जम्मू - कश्मीर।

(ii) जनांकिकीय संक्रमण की तीन अवस्थाओं की विवेचना कीजिए ।

उत्तरः किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त का उपयोग किया जाता है। जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त की तीन अवस्थाएँ हैं।

(i) प्रथम अवस्था: इस अवस्था के महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं - उच्च जन्म दर तथा उच्च मृत्यु दर। इस अवस्था में अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न मिलती है तथा बड़े परिवारों को परिसम्पत्ति वरीयता प्रदान करती है। इसी कारण इस अवस्था में उच्च जन्म दरें या उच्च प्रजननशीलता मिलती है। दूसरी ओर इस अवस्था में अधिकांश लोग निरक्षर होते हैं। प्रौद्योगिकी का स्तर निम्न होता है तथा महामारियों एवं भोजन की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण उच्च मृत्यु दरें मिलती हैं और जीवन प्रत्याशा भी कम मिलती है।

(ii) द्वितीय अवस्था: इस अवस्था के प्रारम्भ में प्रजननशीलता या जन्म दरें उच्च रहती हैं लेकिन समय के साथ उनमें धीमी गति से गिरावट शुरू हो जाती है। स्वास्थ्य सम्बन्धी दशाओं व स्वच्छता दशाओं में सुधार के कारण मृत्यु दर में जन्म दर की तुलना में अधिक तेजी से गिरावट अनुभव की जाती है जिसके कारण इस अवस्था में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि होती है।

(iii) तृतीय अवस्था: इस अवस्था में जन्म दर तथा मृत्यु दर दोनों में तीव्र गिरावट आ जाती है जिससे जनसंख्या या तो स्थिर हो जाती है या उसमें मंद गति से वृद्धि होती है। अधिकांश जनसंख्या शिक्षित होने के साथ-साथ नगरीय क्षेत्रों में निवास करती है तथा उनके तकनीकी ज्ञान का स्तर उच्च होता है।